SSLC THIRD LANGUAGE - HINDI 2019-20 Code No: 61-H

June-July

I. 1) D लिफाफे ② B मोरनी ③ A. खरीदना ④ C लगाता ⑤ B. अल्पविराम 8×1=8

6) D देश - विदेश ⑦ C में ⑧ A. गुणसंधि

4×1=4

II. 9. कुम्हार ⑩ जैनुलाबदीन ⑪ ईमान ⑫ बलराम

III. 13. गाजर में भी बहुत विटामिन हैं। 4×1=4

14. आज मनुज का यान गगन पर जा रहा है।

15. भीखू अहीर के घर में रहते हैं।

16. कवि भारतमाता से जग का रूप बदलना। रोटी हम साथ में हैं।

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन पूर्ण वाक्यों में लिखिए 8×2=16

17. चावल दाल सुगंधित, स्वादिष्ट सांबार, घर का बना अचार और नारियल की ताजी चटनी

18. सम्मेलन का उद्घाटन करें। ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदारों को बड़ी प्रेरणा मिलेगी।

19. पिता किशनपाल सिंह और माँ हंसादेई थी. उसका एक बड़ा भाई था।

20. बलराम जन्म से चुगलखोर हैं। मैं गोपाल की कसम खाकर कहती हूँ मैं ही तेरी माता हूँ. और तुम मेरे पुत्र हो। कहकर डांट करती हैं।

21. चार मोटे मोटे जमीन में गाड़कर उन पर पतली और लंबी लकड़ियों से छप्पर का पंजर बना दो।

22. आज की दुनिया विचित्र, नवीन, नर के करों में नाति, विद्युत, भाप हुक्म पर चढ़ता - उतरता है।

23. पृथ्वी से करीब 750 गुना बड़ा है। पृथ्वी के व्यास से करीब नौ गुना अधिक है। वह धीमी गति से चलनेवाला।

24. शुभ बुद्धि का प्रतिबिंब है. ज्ञान की प्रतिनिधि है, आत्मा की वाणी है। वह ओला आना, औरत-सारा, नमक-मिर्च लगाना जैसे

9×3=27

V. तीन - चार वाक्यों में लिखिए

25. राजकिशोर का पैसे लौटाना, बसंत का स्थिति को समझाने के लिए। ईमानदार और स्वाभिमान दिखाने के लिए।

26. एक जगह बैठकर दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ बात करते हैं। विचार - विनिमय करते हैं। पैसे - और समय दोनों बचा सकते हैं।

27. नाती-पोतों का होमवर्क कराने, वर्ड प्रोसेसर पर धीरज सक्सेना का काम सँभालने ... नाश्ता कराने, मेहमानों के स्वागत करना, कहानियाँ सुनाना ....

28. हरे-भरे हैं खेत सुहाने, फल-फूलों से युत वन-उपवन, खनिजों का व्यापक धन, सुख-संपत्ति, धन-धाम.

29. हार्दिक प्रसन्नता हुई है। जितनी बडाई की जाए उतनी ही थोडी है। आपका गाँव एक आदर्श गाँव बन गया है। पाँच हजार रुपये इनाम के रूप में देते हैं।

30. समय का सदुपयोग करना, सही समय पर सही काम करना समय खो जाने से पछताना पडती है। समय अत्यमूल्य रत्न है।

31. वचनकार बसवण्ण क्रांतिकारी समाज सुधारक थे। अक्कमहादेवी, अल्लमप्रभु, सर्वज्ञ, पुरंदरदास, कनकदास, भक्ति नीति ... पंपा, रन्ना, पोन्ना ... आदि ने महान काव्यों की रचना कर कन्नड साहित्य को समृद्ध बनाया है।

32. प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास जी मुख - अर्थात् मुँह और मुखिया दोनों के स्वभाव की समानता दर्शाते हुए लिखते हैं कि मुखिया मुँह के समान होना चाहिए .... मुँह जो खाता-पीता है उससे सारे शरीर का पालन-पोषण करता है। विवेकवाना होना, काम अपनी तरह से करना, फल सभी को बाँटे।

गद्यांश

33. ಕರ್ನಾಟಕದ ಉತ್ತರ ಜಿಲ್ಲೆ [illegible]. [illegible] 5,150 1×4=4
[illegible]
[illegible]

34. दिन भर उसने न कुछ खाया, न वह बाहर गया। पंजे इतने ठंडे हो रहे थे। हीटर जलाया और उष्णता देने का प्रयत्न किया प्रभात की प्रथम किरण के साथ ही वह चिर निद्रा में सो गया। सोनजुही की लता के नीचे गिल्लू की समाधि बना दी ....

Scanned with CamScanner

35. असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो. 1×4=4
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम
संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागो तुम।

4×1=4

VII 36
अ) स्वयं ही वनों को काटकर खेती योग्य भूमि बना लेते हैं।
आ) आलू और धान
इ) चावल से ये एक प्रकार की शराब बनाते हैं और इसे अनंद से पीते हैं। इसे अपोंग कहते हैं।
ई) फल एवं साग-सब्जी भी उगाए जाते हैं। 1×4=4

VIII 37... जनसंख्या की समस्या
जनसंख्या की समस्या सामान्य रूप से विश्व की समस्या है।
जनसंख्या में वृद्धि के कारण.
1. विज्ञान की उन्नति, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की सुविधा
2. बच्चे भगवान की देन। परिवार नियोजन,
3. परिवार की रक्षा. जनशक्ति का महत्व.
4 अज्ञान, अनक्षरता ...

परिणाम
1. प्रगति कठित होती है।
2. बेकारी की समस्या में वृद्धि
3. अपराधों में वृद्धि

नियंत्रण का उपाय
हम सबका कर्तव्य है कि
व्यक्तिगत रूप में परिवार को छोटे रखने का प्रयास करें।
सरकार तथा सामाजिक संस्थाओं, सभाओं, गोष्ठियों,
संचार-माध्यमों द्वारा परिवार छोटे, कायदों का प्रचार-प्रसार करें। जनसंख्या नियंत्रण को जीवन का एक आवश्यक अंग मान लेना।

उपसंहार हमारे देश के विकास में बहुत बड़ी बाधा है।
"सुखमय जीवन का यह सार
दो बच्चों का हो परिवार।"

(3)

Scanned with CamScanner

X

38

सेवा में
प्रधानाध्यापक जी
सरकारी स्कूल
बेंगलूरु

दिनांक
4-07-20

पता
मोहन
दस वी कक्षा
सरकारी स्कूल
कम संख्या

महोदय

विषय :- चार दिन की छुट्टी के बारे में निवेदन पत्र

मैं मोहन, दस वी कक्षा A विभाग में पढ रहा हूँ। लेकिन मेरा तबीयत ठीक नहीं है। इसलिए आप से निवेदन करते है कि दिनांक 5-7-20 से 8-7-20 त चार दिनों तक मुझे छुट्टी देने का कृपा करें।

धन्यवाद

आपका आज्ञाकारी छात्र
मोहन

Scanned with CamScanner